National Journal of Multidisciplinary Research and Development
www.newresearchjournal.com
ISSN: 2455-9040
Received: 11-11-2025, Accepted: 10-12-2025, Published: 26-12-2025
Volume 10, Issue 4, 2025, Page No. 108-110

सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयो के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन

अनुबाला[1], विक्रम सिंह औलख[2]
[1] शोधार्थी, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़, राजस्थान, भारत
[2] प्रोफेसर, शोध निर्देशक, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़, राजस्थान, भारत

सारांश
प्रस्तुत शोध का उद्देश्य सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का विभिन्न आयामों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता, आत्म अनुशासन एवं सीखने की प्रभावशीलता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षिक वातावरण में प्रभावी अध्ययन आदतों का विकास अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस अध्ययन में गृह वातावरण एवं कार्य–योजना, पठन एवं नोट्स निर्माण तथा विषयवार अध्ययन–योजना जैसे प्रमुख आयामों को सम्मिलित किया गया। शोध के लिए उपयुक्त न्यादर्श का चयन कर सांख्यिकीय तकनीकों द्वारा आँकड़ों का विश्लेषण किया गया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें इन आयामों में अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी पाई गईं तथा दोनों समूहों के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक अंतर विद्यमान है। अध्ययन यह संकेत करता है कि अनुकूल गृह वातावरण, योजनाबद्ध अध्ययन एवं नियमित पठन अभ्यास विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह शोध शिक्षकों, विद्यालय प्रशासकों एवं शैक्षिक योजनाकारों के लिए उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करता है।

मूल शब्दः अध्ययन आदतें, उच्च माध्यमिक विद्यार्थी, सरकारी विद्यालय, गैर–सरकारी विद्यालय, पठन अभ्यास, अध्ययन योजना

प्रस्तावना
शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का प्रमुख आधार है, जिसके माध्यम से व्यक्ति न केवल ज्ञान अर्जित करता है, बल्कि अपने चिंतन, व्यवहार, मूल्यबोध एवं व्यक्तित्व का भी निर्माण करता है। इस शैक्षिक प्रक्रिया में विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, क्योंकि वे सीखने की गुणवत्ता, शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक निरंतरता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। अध्ययन आदतों से तात्पर्य उन नियमित एवं योजनाबद्ध व्यवहारों से है, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अध्ययन, पुनरावृत्ति, नोट्स निर्माण, समय–प्रबंधन, एकाग्रता तथा परीक्षा–तैयारी जैसी गतिविधियों का संचालन करता है।

वर्तमान समय में शैक्षिक परिदृश्य तीव्र गति से परिवर्तनशील हो गया है। तकनीकी विकास, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता, ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण प्रणाली, निरंतर मूल्यांकन तथा प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा–संस्कृति ने विद्यार्थियों की अध्ययन प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। ऐसी स्थिति में केवल बौद्धिक क्षमता ही नहीं, बल्कि प्रभावी अध्ययन आदतों का विकास भी शैक्षिक सफलता के लिए अनिवार्य हो गया है। जिन विद्यार्थियों में संगठित, नियमित एवं उद्देश्यपूर्ण अध्ययन आदतें विकसित होती हैं, वे शैक्षिक चुनौतियों का सामना अधिक आत्मविश्वास एवं दक्षता के साथ कर पाते हैं।

उच्च माध्यमिक स्तर का कालखंड विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी चरण में उनके शैक्षिक एवं व्यावसायिक भविष्य की दिशा निर्धारित होती है। इस स्तर पर पाठ्यक्रम की व्यापकता, विषयों की जटिलता, परीक्षा–दबाव तथा करियर–संबंधी अपेक्षाएँ विद्यार्थियों पर मानसिक एवं शैक्षिक दबाव उत्पन्न करती हैं। ऐसे में प्रभावी अध्ययन आदतें—जैसे नियमित पठन, नोट्स बनाना, एकाग्रता बनाए रखना, समय–सारणी का पालन करना तथा परीक्षा–तैयारी की उपयुक्त रणनीतियाँ विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होती हैं।

विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें केवल उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं पर ही निर्भर नहीं करतीं, बल्कि उन पर गृह वातावरण, विद्यालयीय वातावरण, शिक्षण–प्रणाली, संसाधनों की उपलब्धता तथा शिक्षक–अभिभावक सहयोग का भी गहरा प्रभाव पड़ता है। सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक सुविधाएँ, शैक्षिक संसाधन, अनुशासन, शैक्षणिक निगरानी तथा अपेक्षाओं का स्तर भिन्न–भिन्न होता है, जिसका प्रभाव विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। अतः विभिन्न प्रकार के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन शैक्षिक अनुसंधान की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अध्ययन आदतों के विभिन्न आयाम जैसे गृह एवं विद्यालयीय वातावरण, पठन एवं नोट्स बनाने की आदत, एकाग्रता, परीक्षा–तैयारी तथा समग्र अध्ययन अभिवृत्ति विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अलग–अलग रूपों में प्रभावित करते हैं। यदि इन आयामों का वैज्ञानिक एवं तुलनात्मक विश्लेषण किया जाए, तो यह स्पष्ट किया जा सकता है कि किन परिस्थितियों में विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अधिक प्रभावी बनती हैं और किन कारकों के कारण उनमें बाधाएँ उत्पन्न होती हैं। यह जानकारी शिक्षकों, विद्यालय प्रशासकों तथा अभिभावकों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध हो सकती है।

शोध की आवश्यकता
वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में यह अनुभव किया जा रहा है कि अनेक विद्यार्थी पर्याप्त बौद्धिक क्षमता के बावजूद अपेक्षित शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, जिसका एक प्रमुख कारण उनकी अध्ययन आदतों का प्रभावी न होना है। इसके अतिरिक्त, सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में विद्यमान संभावित अंतर को समझने हेतु व्यवस्थित एवं तुलनात्मक अध्ययनों की आवश्यकता है। प्रस्तुत शोध विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के प्रमुख आयामों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कर न केवल शैक्षिक अनुसंधान में योगदान देगा, बल्कि अध्ययन–कौशल विकास कार्यक्रमों, परामर्श सेवाओं तथा शैक्षिक सुधार योजनाओं के निर्माण हेतु भी उपयोगी आधार प्रदान करेगा। अतः उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन समयोचित, प्रासंगिक एवं शैक्षिक गुणवत्ता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।

संबंधित शोध साहित्य

कुमार श्रवण (2018) के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। शहरी विद्यार्थियों में आत्म–सम्प्रत्यय एवं अध्ययन आदतों का स्तर ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पाया गया, तथा शैक्षिक उपलब्धि पर अध्ययन आदतों का प्रत्यक्ष प्रभाव देखा गया। सिंह भूपेन्द्र (2020) ने उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में अध्ययन आदतों, पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि विद्यालय के प्रकार का अध्ययन आदतों पर विशेष प्रभाव नहीं है, जबकि अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं को प्रभावित करती हैं। शर्मा, मृदुला (2022) के तुलनात्मक अध्ययन में यह पाया गया कि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें कला एवं वाणिज्य संकाय की तुलना में अधिक प्रभावी हैं। वहीं सिंह शिव प्रताप (2022) के अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि उच्च अध्ययन आदतों वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उल्लेखनीय रूप से अधिक होती है। शेखर (2022) तथा गुप्ता श्वेता (2022) के अध्ययनों ने यह दर्शाया कि टेलीविजन अवलोकन, ई–लर्निंग एवं ऑनलाइन संसाधनों का विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों, एकाग्रता, नोट–लेखन तथा शैक्षिक उपलब्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। परिहार कैलाश (2022) एवं त्रिपाठी मोहित (2023) के शोध निष्कर्षों से यह संकेत मिला कि ऑनलाइन शिक्षण, स्वाध्याय प्रवृत्ति तथा अध्ययन–कौशल विद्यार्थियों में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं, तथा अध्ययन आदतें विभिन्न समूहों में समान रूप से विकसित की जा सकती हैं।

उपर्युक्त अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक घटक हैं तथा उन पर विद्यालयीय वातावरण, तकनीकी संसाधन एवं व्यक्तिगत कारकों का प्रभाव पड़ता है। प्रस्तुत शोध इन्हीं निष्कर्षों के आलोक में उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

शोध के उद्देश्य

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयो के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम गृह वातावरण और कार्य योजना के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम पठन एवं नोट्स बनाने के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम विषय वार योजना बनाने के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

शून्य परिकल्पनाऐ

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों मे अध्ययन आदतों के आयाम गृह वातावरण और कार्य योजना के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों मे अध्ययन आदतों के आयाम पठन एवं नोट्स बनाने के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों मे अध्ययन आदतों के आयाम विषय वार योजना बनाने के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बीकानेर ब्लॉक के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर पर नियमित रूप से अध्यनरत विद्यार्थियों को शोध की जनसंख्या माना गया।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी.वी. पटेल द्वारा निर्मित अध्ययन आदत मापनी का प्रयोग किया गया। शोधकर्ता द्वारा बी. वी. पटेल द्वारा स्थापित मापनी की पूर्व–निर्धारित वैधता और विश्वसनीयता को ही अपनाया गया है। विश्वसनीयता गुणांक का मान 0.79 था जो उच्च स्तरीय विश्वसनीयता को दर्शाता है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी परीक्षण।

प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या

1. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयो के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम गृह वातावरण और कार्य योजना के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका 1: गृह वातावरण और कार्य योजना

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता का अंश	टी मूल्य	सार्थकता
सरकारी	400	124.67	4.87	798	4.34	0.01 स्तर पर सार्थक
गैर–सरकारी	400	126.42	6.43			

तालिका संख्या 1 के अनुसार गृह वातावरण एवं कार्य–योजना संबंधी अध्ययन आदतों पर सरकारी और गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्यमान में स्पष्ट अंतर पाया गया। सरकारी विद्यालयों का औसत स्कोर 124.67 (मानक विचलन 4.87) तथा गैर–सरकारी विद्यालयों का औसत 126.42 मानक विचलन (6.43) प्राप्त हुआ। दोनों समूहों के मध्य अंतर की जाँच हेतु टी स्वतंत्र परीक्षण का प्रयोग किया गया, जिसके लिए प्राप्त टी –मान 4.34 रहा, जो स्वतंत्रता के अंश 798 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया। अतः परिकल्पना H01 को अस्वीकृत किया गया। इसका अर्थ यह है कि दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों में अध्ययन आदतों के आयाम गृह वातावरण और कार्य योजना के आधार पर सार्थक अंतर विद्यमान है। गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का मध्यमान (126.42) सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों (124.67) की अपेक्षा अधिक है, जो दर्शाता है कि वे अध्ययन हेतु अधिक अनुकूल गृह वातावरण, बेहतर समय–निर्धारण, व्यवस्थित अध्ययन–स्थल तथा सुविकसित कार्य–योजना का पालन करते हैं।

2. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम पठन एवं नोट्स बनाने के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका 2: पठन एवं नोट्स बनाना

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता का अंश	टी मूल्य	सार्थकता
सरकारी	400	122.25	4.26	798	14.35	0.01 स्तर पर सार्थक
गैर–सरकारी	400	127.79	6.44			

तालिका संख्या 2 के अनुसार पठन एवं नोट्स–निर्माण से संबंधित अध्ययन आदतों में सरकारी और गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य स्पष्ट अंतर प्राप्त हुआ। सरकारी विद्यालयों का मध्यमान 122.25 (मानक विचलन 4.26) जबकि गैर–सरकारी विद्यालयों का माध्य 127.79 (मानक विचलन 6.44) दर्ज किया गया। दोनों समूहों के मध्य अंतर की जाँच हेतु किए गए टी–परीक्षण के लिए प्राप्त मान 14.35 रहा, जो स्वतंत्रता के अंश 798 पर 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः परिकल्पना H02 को अस्वीकृत किया गया। गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का औसत अधिक होने का तात्पर्य है कि वे पठन कौशल, पाठ–समझ, आवश्यक बिंदुओं का चयन, सार्थक नोट्स बनाना तथा पुनरावृत्ति योजनाओं में अधिक दक्ष हैं। इसके विपरीत सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में पठन–अभ्यास अपेक्षाकृत कम व्यवस्थित पाया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि अध्ययन प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता, शिक्षक निर्देश, विद्यालय वातावरण तथा सीखने से जुड़ी अपेक्षाएँ गैर–सरकारी विद्यालयों में अधिक प्रभावी हैं।

3. सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का अध्ययन आदतों के आयाम विषय वार योजना बनाने के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका 3: विषयवार योजना बनाना

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता का अंश	टी मूल्य	सार्थकता
सरकारी	400	123.89	5.34	798	4.04	0.01 स्तर पर सार्थक
गैर–सरकारी	400	125.60	6.56			

तालिका 3 के आधार पर अध्ययन आदतों के आयाम विषय वार योजना बनाने के संदर्भ में सरकारी एवं गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के परिणामों में उल्लेखनीय अंतर पाया गया। सरकारी विद्यार्थियों का मध्यमान 123.89 (मानक विचलन 5.34) तथा गैर–सरकारी विद्यार्थियों का मध्यमान 125.60 (मानक विचलन 6.56) प्राप्त हुआ। अंतर की जाँच हेतु किए गए टी–परीक्षण में टी–मान 4.04 प्राप्त हुआ, जो कि (798 स्वतंत्रता के अंश) 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया। अतः परिकल्पना H03 को अस्वीकृत किया गया। यह स्पष्ट संकेत करता है कि दोनों समूहों की विषय–वार अध्ययन आदतों में वास्तविक तथा महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के औसत सरकारी विद्यार्थियों की तुलना मे अधिक होना यह दर्शाता है कि वे विषयवार तैयारी, पुनरावृत्ति, पाठ–संगठन और विषय–समझ विकसित करने में अपेक्षाकृत अधिक सक्षम हैं। इसके विपरीत, सरकारी विद्यालयों के छात्रों में यह प्रवृत्ति थोड़ी कम पाई गई, जो शिक्षण–पद्धति, अनुशासन, कक्षा–नियोजन तथा शैक्षिक संसाधनों के अंतर को इंगित करती है।

शोध निष्कर्ष

शोध परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर विद्यमान है। अध्ययन आदतों के प्रमुख आयामों गृह वातावरण एवं कार्य–योजना, पठन एवं नोट्स निर्माण तथा विषयवार अध्ययन–योजना में गैर–सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी पाया गया। सांख्यिकीय विश्लेषण से यह अंतर 0.01 स्तर पर सार्थक सिद्ध हुआ, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयीय वातावरण, शैक्षिक अपेक्षाएँ एवं अध्ययन–प्रबंधन संबंधी अवसर विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

अध्ययन यह भी संकेत करता है कि प्रभावी अध्ययन आदतें केवल व्यक्तिगत क्षमता का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि वे अनुकूल गृह वातावरण, संगठित अध्ययन–योजना एवं नियमित पठन–अभ्यास से विकसित होती हैं। अतः यदि सरकारी विद्यालयों में भी योजनाबद्ध अध्ययन, पठन–नोट्स निर्माण तथा विषयवार तैयारी को प्रोत्साहित करने वाले शैक्षिक प्रयास किए जाएँ, तो विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि में सकारात्मक सुधार संभव है। इस प्रकार, प्रस्तुत शोध अध्ययन आदतों के विकास को शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन का एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध करता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कुमार श्रवण (2018) इलाहाबाद मंडल माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में आत्म संप्रत्यय सृजनात्मकता, अध्ययन आदतों का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन। शोध प्रबंध, नेहरू ग्राम भारती, विश्वविद्यालय इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. शर्मा, मृदुला (2022) द्वारा उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान कला एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों की अधिगम शैली एवं अध्ययन आदतों का उनके परिवेश के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन, शोध प्रबंध, श्री जगदीश प्रसाद झाबरमल टिंबर वाला विश्वविद्यालय राजस्थान।
3. सिंह, शिव प्रताप (2022). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की बुद्धि, समायोजन–क्षमता एवं अध्ययन–आदतों का शैक्षणिक उपलब्धि से सम्बन्ध। शोध प्रबंध, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.)
4. सियाही, ई. ए., एंड मायो, जे. के. (2015). स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिटवीन स्टडी हैबिट्स एंड एकेडमिक अचीवमेंट ऑफ स्टूडेंट्सः अ केस ऑफ स्पाइसर हायर सेकेंडरी स्कूल, इंडिया. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन एंड पॉलिसी स्टडीज, 7(7), 134–141।
5. सिंह भूपेंद्र (2020) उच्च माध्यमिक स्तर के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें पारिवारिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यवसायिक आकांक्षाओं पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन। पीएचडी, राजस्थान यूनिवर्सिटी।
6. त्रिपाठी, मोहित (2023). माध्यमिक स्तर के विकलांग एवं सामान्य विद्यार्थियों की सृजनात्मक अध्ययन आदतें एवं व्यावसायिक रूचियों का शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध. शोध प्रबंध, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)
7. शेखर, शीतांशु (2022). अध्ययन आदतों व शैक्षणिक उपलब्धि पर टेलीविजन अवलोकन के प्रभाव का अध्ययन। शोध प्रबंध, शिक्षा विभाग, पटना विश्वविद्यालय (बिहार)।
8. सैमसन, ए. ओ. (2018). स्टडी हैबिट्स एंड एकेडमिक परफॉरमेंस ऑफ सेकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स इन नाइजीरिया. ब्रिटिश जर्नल ऑफ एजुकेशन, 6(10), 1–7।
9. स्टाउट, जी. एफ. (1913). मैनुअल ऑफ साइकोलॉजी. कैम्ब्रिजः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।
10. सिंह, मृगेन्द्र (2007). उच्च शिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों में निराशा का उनकी अध्ययन आदत एवं शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव. वी०बी०एस० पू०वि०वि०, जौनपुर।